>

Title: Need to ban plastic and polythene industry in the country

श्री उदय प्रताप सिंह (होशंगाबाद): अध्यक्ष महोदय, धन्यवाद। मैं आपके माध्यम से पर्यावरण और उद्योग मंत्रालय का ध्यान प्रदूषण के महत्वपूर्ण विषय पर दिलाना चाहता हूं। प्लास्टिक और पॉलिथिन के प्रदूषण के कारण एक समस्या इस देश के अंदर है।

16.00 hrs (Shrimati Meenakashi Lekhi *in the Chair*)

हर जगह पॉलीथीन और प्लास्टिक के कारण पर्यावरण को नुकसान होता है। मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूं कि पॉलीथीन और प्लास्टिक पर कई राज्यों ने प्रतिबंध लगाया है, लेकिन प्रतिबंध इस देश में कानून का रूप लेता है, पर इसके बाद भी उसका पालन नहीं होता है। मैं सरकार से आग्रह करना चाहता हूं कि प्लास्टिक और पॉलीथीन उद्योगों को बन्द करने का काम करना चाहिए। जो पॉलीथीन शॉर्ट टर्म के लिए उपयोग की जाती है, उस तरह के उद्योगों को बन्द करना चाहिए और उन उद्योगों को चलाने वालों को निर्धारित समयावधि उपलब्ध कराएं कि वे 2 वर्ष के भीतर प्लास्टिक और पॉलीथीन उद्योग बन्द करें और इसके विकल्प में उनको जो तैयारी करनी है, उसके लिए उनके पास केवल 2 साल का समय है। जब तक हम उद्योगों पर प्रतिबंध नहीं लगाएंगे, तब तक इस देश से पॉलीथीन और प्लास्टिक का प्रदूषण फैलाने वाली जो विकृति है, उससे मुक्ति हमें नहीं मिल सकती। इसी पॉलीथीन से जानवरों को नुकसान होता है। यही पॉलीथीन समुद्र किनारे मछलियां खाती हैं, उनको इससे क्षति पहुंचती है और इसी के कारण मुझे लगता है कि कैंसर व अन्य तरह की बीमारियां होती हैं। इसलिए आपके माध्यम से अनुरोध है कि पॉलीथीन, प्लास्टिक के उद्योगों पर पूर्णत: प्रतिबंध लगे और ये उद्योग चलाने वालों को वैकल्पिक अवसर उपलब्ध कराए जाएं, ताकि वे इनके स्थान पर दूसरा उद्योग स्थापित कर सकें। आपने मुझे अवसर दिया, इसके लिए आपका बहुत-बहुत आभार।

माननीय सभापति : आइटम नंबर 15, प्राइवेट मेंबर बिजनेस, श्री जगदम्बिका पाल जी अपना भाषण जारी करें, जो पिछली बार रह गया था।

श्री जगदम्बिका पाल (डुमरियागंज): मैं तो समझ रहा था कि शून्य पहर में आप समय देने जा रही हैं।

माननीय सभापति : नहीं, इसीलिए आपको बुलवाया था कि आपको पूरा समय दिया जाए।

श्री जगदम्बिका पाल: आज हम और मेरे मित्र हनुमान भाई, दोनों वंचित रहे थे।

श्री राजीव प्रताप रूडी : माननीय मंत्री जी रूठे हुए हैं क्या? पीछे बैठे हुए हैं, उनको कृपया आगे बुला लिया जाए?

माननीय सभापति : नहीं, काम कर रहे हैं। फाइल देख रहे हैं। उन्हें स्वेच्छा पर छोड़ दिया जाए। श्री जगदम्बिका पाल जी।

16.03 hrs

PRIVATE MEMBERS' RESOLUTION